



**न्यायालय अनुमण्डल दण्डाधिकारी, बुण्डू(राँची)**

आदेश पत्रक

बलभद्र दास वर्गरेह नाम रमियन दास वर्गरेह

क्र०/तिथि	आदेश एवं पदाधिकारी का हस्ताक्षर	की गई कार्रवाई
	<p>अभिलेख सं०-एम.....23...../2018 धारा-107 द०प्र०सं० थाना प्रभारी तुमाड के अप्राथमिकी सं० 8/18 दिनांक 23/02/18 प्रस्तुत पुलिस प्रतिवेदन/आवेदन से सूचना मिली है कि श्वाना न० 385 एलिट न० 2517 के जमीन संबंधी विवाद के चलते उभय पक्ष में तनाव है।</p> <p>जिससे संभावना है कि परिशांति भंग होगी या लोक परिशांति दुब्य होगी या उभय पक्ष/विपक्षी कोई ऐसा असंतोषकारी कार्य करेंगे जिससे परिशांति भंग हो जाएगी या लोक परिशांति दुब्य हो जाएगी।</p> <p>अतः मैं मायल राज, कार्यपालक दण्डाधिकारी, बुण्डू(राँची) उक्त पुलिस प्रतिवेदन से संतुष्ट होकर उभय पक्ष/द्वितीय पक्ष के विरुद्ध द०प्र०सं० की धारा-107 के अन्तर्गत कार्यवाही आरंभ करती हूँ। उभय पक्ष/द्वितीय पक्ष के विरुद्ध सूचना निर्गत करें कि वे कारण दर्शित करें कि उन्हें एक वर्ष तक परिशांति कायम रखने के लिए उससे/उनसे प्रत्येक को 1000(एक हजार) रू० का बन्ध पत्र उसी राशि के दो जमानतदारों के साथ राशि दाखिल करने हेतु आदेश क्यों नहीं दिया जाय।</p> <p>अभिलेख तिथि 23-03-18 को उपस्थापित करें। लेखापित एवं संश्लेषित</p> <div style="display: flex; justify-content: space-around; margin-top: 20px;"> <div style="text-align: center;">               कार्यपालक दण्डाधिकारी,              बुण्डू।         </div> <div style="text-align: center;">               कार्यपालक दण्डाधिकारी,              बुण्डू।         </div> </div>	
23-03-18	<p>पीनक्षी पदाधिकारी नगा केनाम तुमाड रूप में जख्त। दिनांक 09-4-18 को शुरू।</p>	

आदेश एवं दण्डाधिकारी का हस्ताक्षर

18-02-19

अभिलेख उपस्थापित । व्याग उमारी  
से जांच प्रतिवेदन प्राप्त । उमय पत्र  
अनुपस्थित । ~~व्याग उमारी से जांच~~  
~~प्रतिवेदन उपलब्ध करने हेतु पुनः लिखित~~  
दिनांक 08-03-19 को रखा

  
18/02/19

08-03-19

अभिलेख उपस्थापित । व्याग उमारी  
से जांच प्रतिवेदन प्राप्त । उमय पत्र  
अनुपस्थित । दिनांक 25-03-19 को रखा

  
08/03/19

25-03-19

अभिलेख उपस्थापित । उमय पत्र  
अनुपस्थित । व्याग उमारी / उमय पत्र से उमय  
पत्र में शक्ति मंगल से संबंधित कोई प्रतिवेदन  
व्यवस्थापक को प्राप्त नहीं है। अतः वाद में अभिलेख  
की कारवाही बंद की जाती है।

  
कार्यपालक दण्डाधिकारी  
बुन्दू (रांची)